- लावा उद्गार का प्रमाण

- थाल घाट & भोर घाट दर्रा

- गोदावरी & कृष्णा नदी का उद्गम स्थल

• ताप्ती & गोदावरी के बीच सतमाला & अजंता पर्वत श्रेणी

• गोदावरी & भीमा नदी के बीच बालाघाट पर्वत

• भीमा & कृष्णा नदी —— महादेव पर्वत

→ 16°N से नीलगिरी पहाड़ी तक स्थित प० घाट की ऊँचाई बहुत अधिक है।
इसका प० ढाल तीव्र जबकि पूर्व ढाल मंद है।

• इस क्षेत्र की सबसे ऊँची चोटी - कुद्रेमुख (1892m)

→ नीलगिरी के पास प० घाट & पूर्वी घाट मिलकर एक गाँठ का निर्माण करते हैं।

• नीलगिरी को पूर्वी घाट का दक्षिणी विस्तार माना जाता है।

• इसकी सबसे ऊँची चोटी - दोदाबेटा (2636)

• ऊँटी पर्वतीय नगर -- नीलगिरी पर

• आर्कियन युग के चट्टानों से निर्मित - नीलगिरी.

→ नीलगिरी के द० में अन्नामलाई, कार्डमम, नागरकोयल & स्वामी पेरियार रॉक
इसे सम्मिलित रूप से दक्षिण की पहाड़ी कहते हैं।

• अन्नामलाई की सबसे ऊँची चोटी - अनाईमुडी (2695)

• अन्नामलाई पर्वत के उ०पू० में पालनी पहाड़ी जिसपर कोडाईकनाल पर्वतीय नगर.

• नीलगिरी & अन्नामलाई के बीच पालघाट दर्रा

• अन्नामलाई & कार्डमम के बीच सेनकोटा दर्रा

2. पूर्वी घाट

- प्रायद्वीपीय भारत के पूर्वी तट के समानांतर तट से 200 से 400 km दूर स्थित है।

- इस पर्वत का निर्माण कुडप्पा संरचना से हुआ है।

- यह विखंडित श्रृंखला है - महानदी, गोदावरी, कृष्णा ——

- औसत ऊँचाई 900 m.

- उड़ीसा में अवस्थित सम्मिलित पर्वतीय श्रृंखला को मलियास कहलाता है।

- सबसे ऊँची चोटी - महेन्द्रगिरी (1501)

- कृष्णा नदी से पेन्नार नदी के मध्य स्थित पूर्वी घाट को मध्यवर्ती श्रृंखला कहते हैं - इसमें नल्लामलाई, वेलीकोंडा, पालकोंडा श्रृंखला प्रमुख है।

- पूर्वी घाट पर्वत को तमिलनाडु में जावदी, जिंजी, शिवराय की पहाड़ी, पंचमलाई पहाड़ी के नाम से जानते हैं।

- शिवराय की पहाड़ी को द० भारत का छोटानागपुर कहलाता है।

- पूर्वी घाट और प० घाट कहीं-कहीं जुड़े हुए हैं —

• मुम्बई & हैदराबाद के बीच - हरिश्चन्द्र पर्वत & बालाघाट

• बंगलौर के पास — बाबा बुदन की पहाड़ी & श्रीशैलम की पहाड़ी से

3. अरावली पर्वत

- यह पर्वत राजस्थान में द०प० से उ०पू० दिशा में अवस्थित है।
- इसका विस्तार गुजरात से दिल्ली तक
- हिमालय & अरावली पर्वत के बीच – इंडोगंगा प्लेन
- सबसे ऊँची चोटी – (गुरु शिखर) (1722) जो राजस्थान के सिरोही जिला में माउंट आबू के पास अवस्थित है।
- लम्बाई 800 km, औसत ऊँचाई 700-900 m.
- दर्रा – पीपलीघाट, देसुर
- इसके गर्भ में कई खनिज पाये जाते हैं – खनिजों का अजायबघर
- अपरदन & अनुक्षरण के कारण – विखंडित हो चुका है लेकिन द०प० भाग की ऊँचाई आज भी पर्याप्त है।

4. सतपुड़ा पर्वत

- नर्मदा & तापी भ्रंश घाटी के बीच स्थित ब्लॉक पर्वत
- औसत ऊँचाई 900-1100 m.
- सबसे ऊँची चोटी – (धूपगढ़) (1350) – सतपुड़ा का
- सतपुड़ा के पूरब में महादेव, मैकाल, रामगढ़ & गढ़जात की पहाड़ी अवस्थित
- मैकाल की सबसे ऊँची चोटी – (अमरकंटक) (1127)
- मैकाल पर पंचमढ़ी पर्वतीय नगर अवस्थित
- सतपुड़ा पर्वत के समानांतर महाराष्ट्र के औरंगाबाद में अजंता की पहाड़ी & नागपुर में ग्वाली की पहाड़ी अवस्थित है।
- लम्बाई 1120 km.
- सतपुड़ा के ऊपरी भाग में लावा निक्षेप का प्रमाण और नीचले भाग में आर्कियन युग की चट्टान.

5. विंध्यन पर्वत

- नर्मदा नदी के उत्तर में स्थित प्रायद्वीपीय भारत की उत्तरी सीमा का निर्माण
- औसत ऊँचाई 500-700 m.
- इसकी उत्तरी ढाल भ्रंशन क्रिया से बनी है जिसके कारण उत्तरी ढाल तीव्र है जबकि द० ढाल मंद है।
- इसका विस्तार गुजरात से बिहार के गंगा नदी तक
- प० से पू० → विंध्यन पर्वत, भारनेर पर्वत, कैमूर की पहाड़ी, काबर की पहाड़ी, खड़गपुर की पहाड़ी के नाम से जानते हैं।
- इसके नीचले भाग में लावा का निक्षेप जबकि ऊपरी भाग में चूनापत्थर की संरचना पायी जाती है।
- धारवाड़ & कुडप्पा के बाद भारत की सबसे प्राचीन संरचना है। यह पर्याप्त अपरदित हो चुका है।

6. राजमहल की पहाड़ी

- बिहार और झारखंड के सीमा पर भागलपुर के पास स्थित
- औसत ऊँचाई 500 – 700 m.
- इस पहाड़ी के कारण ही भागलपुर के पास गंगा नदी उत्तर की ओर मुड़ जाती है
- जुरासिक काल के लावा का प्रमाण
- बेसाल्टिक चट्टानों की प्रधानता

7. गारो - खासी - जयंतिया पहाड़ी

- मेघालय राज्य में प० से पू० क्रमशः फैला हुआ है
- गारो अलग पहाड़ी के रूप में अवस्थित है जबकि खासी & जयंतिया आपस में मिला हुआ है
- सबसे ऊँची चोटी - नोरकेक गारो पर स्थित

प्रायद्वीपीय भारत के पठार

1. दक्कन का पठार

- विस्तार - महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक & तमिलनाडु
- महाराष्ट्र के प० भाग में इसे महाराष्ट्र का पठार, पूर्वी भाग — विदर्भ का पठार कहते हैं।
- AP के उत्तरी भाग — तेलंगाना का पठार, द० भाग — रॉयलसीमा का पठार
- कर्नाटक में इसे बंगलौर & मैसूर का पठार
- तमिलनाडु में — कोयम्बटूर का पठार
- महाराष्ट्र के पठार की औसत ऊँचाई 300 – 900 m. इसी पठार पर अजंता की पहाड़ी स्थित
- विदर्भ के पठार — 700 - 900 m. - यहाँ लावा की पतली परत पायी जाती है।
- AP के पठार — 300 - 900 m.
- कर्नाटक के पठार — 600 - 900.
- संपूर्ण दक्कन का पठार का निर्माण क्रिटेशियस कल्प में हुए दरारी लावा उद्गार से
- इस पठार पर दरारीय लावा के निक्षेपण से बेसाल्टिक चट्टानों का निर्माण.
- कहीं - कहीं केन्द्रीय उद्गार होने से शंकु पहाड़ियाँ, क्रेटर, काल्डेरा का निर्माण.

2. काठियावाड़ का पठार

- गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र में स्थित
- अत्यंत कटा - फटा पठार
- लावा निक्षेप और चूनापत्थर का प्रमाण
- औसत ऊँचाई 200 – 400 m.
- इसी पठार पर शत्रुंजय गिर की पहाड़ी अवस्थित है।

3. मरुस्थली पठार

- मारवाड़ का पठार — राजस्थान के जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर जिला में अवस्थित
- शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश का प्रदेश ...

(ii) मेवाड़ का पठार - राजस्थान के पूर्वी भाग में चित्तौड़, बाँसवाड़ा, उदयपुर जिला में
- औसत ऊँचाई 250-500 मी॰
- यह पठार काफी उबड़-खाबड़ है।
- इसी पठार पर हल्दी घाटी का मैदान अवस्थित है।

(iii) मालवा का पठार - राजस्थान, महाराष्ट्र, व मध्यप्रदेश के सीमा पर अवस्थित
- इसे दक्कन के पठार का उत्तरी विस्तार माना जाता है।
- इस पठार पर लावा का निक्षेप
- औसत ऊँचाई 500-600 m.

(iv) बुंदेलखंड का पठार - विस्तार द॰प॰ UP + उत्तरी MP के सीमा पर
- ललितपुर, झाँसी, गुना, विदिशा, ग्वालियर आदि जिला इसी पठार पर अवस्थित है।
- चंबल नदी इस पठार पर उत्खात भूमि का निर्माण
- औसत ऊँचाई - 500-600 m.

4. पूर्वी पठार

(i) बघेलखंड का पठार - छत्तीसगढ़ के उत्तर में अवस्थित
- बस्तर का पठार व बघेलखंड पठार के बीच महानदी की सहायक नदी रिहन्द (?) सीमा का निर्माण करती है।
- औसत ऊँचाई - 700-900 मी॰

(ii) बस्तर का पठार - छत्तीसगढ़ के दक्षिण में अवस्थित
- औसत ऊँचाई - 500-700 मी॰
- बस्तर के पठार पर ही दंडकारण्य क्षेत्र अवस्थित है जो भारत का सबसे उबड़-खाबड़ क्षेत्र है।

(iii) छोटानागपुर का पठार

- विस्तार - झारखंड, WB, उड़ीसा और छत्तीसगढ़ में.
- इस पठार पर ग्रेनाइट और नीस चट्टानों की प्रधानता.
- औसत ऊँचाई 700-900 मी॰
- इस पठार का प॰ भाग सर्वाधिक ऊँचा है, जिसे पाट का पठार कहते हैं। इस पर नेतरहाट की पहाड़ी मोनैडनॉक का उदाहरण है।
- पाट के पठार के पूरब में राँची और हजारीबाग का पठार अवस्थित है। इन दोनों के बीच दामोदर नदी सीमा बनाते हुए भ्रंश घाटी में प्रवाहित होती है।
- अधिकतम ऊँचाई पारसनाथ की पहाड़ी 1365 m है।
- इसके उ॰ पू॰ भाग में कोडरमा का पठार है।
- हजारीबाग व कोडरमा पठार के मध्य कोडरमा की घाटी और चतरा की घाटी अवस्थित है।

(iv) मेघालय का पठार

- मेघालय राज्य में अवस्थित.
- प्रायद्वीपीय पठार का पूर्वी भाग - ... [illegible]